MJMC.116 विकास संचार
MJMC 117 मानवाधिकार एवं कर्तव्य
MJMC 118 अन्तर सास्कृतिक संचार: अवधारणा एवं आयाम
MJMC 119 वेब पत्रकारिता
MA (JMC) – विकास संचार (Development Communication)
परीक्षा हेतु संक्षिप्त नोट्स
प्रस्तावना
विकास संचार (Development Communication) वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से संचार के विभिन्न साधनों का उपयोग करके समाज के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास को गति दी जाती है। इसका उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि लोगों में जागरूकता पैदा करना, व्यवहार परिवर्तन लाना तथा विकास कार्यक्रमों में जनसहभागिता सुनिश्चित करना है।
स्वतंत्रता के बाद भारत जैसे विकासशील देशों में गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याएँ, बेरोजगारी, कृषि संकट आदि चुनौतियों को दूर करने के लिए विकास संचार की आवश्यकता महसूस की गई। यह संचार का ऐसा क्षेत्र है जो समाज के कमजोर वर्गों तक विकास संबंधी जानकारी पहुँचाकर उन्हें सशक्त बनाता है। विकास संचार की परिभाषाएँ
1. एवरेट रोजर्स के अनुसार –
“विकास संचार वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा सामाजिक परिवर्तन को योजनाबद्ध तरीके से लाया
जाता है।”
2. क्विब्राल के अनुसार –
“यह ऐसा संचार है जिसका उद्देश्य लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है।”
3. यूनेस्को के अनुसार –
विकास संचार वह माध्यम है जो विकास योजनाओं में लोगों की भागीदारी बढ़ाता है।
विकास संचार की विशेषताएँ
• यह जन-केंद्रित (People Oriented) होता है।
• इसमें दो-तरफा संचार होता है।
• इसका उद्देश्य व्यवहार परिवर्तन लाना है।
• यह समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाता है।
• स्थानीय भाषा और संस्कृति का उपयोग करता है।
• यह सहभागिता और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है।
• विकास योजनाओं की जानकारी जनसामान्य तक पहुँचाता है।
विकास संचार के उद्देश्य
1. लोगों को विकास योजनाओं की जानकारी देना।
2. शिक्षा और साक्षरता को बढ़ावा देना।
3. स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाना।
4. कृषि विकास को बढ़ावा देना।
5. महिलाओं और बच्चों का सशक्तिकरण।
6. पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना।
7. सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करना।
विकास संचार के क्षेत्र
1. कृषि विकास

किसानों को नई तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई, उर्वरक और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना।
उदाहरण – Indian Council of Agricultural Research द्वारा कृषि कार्यक्रम।
2. स्वास्थ्य संचार
टीकाकरण, परिवार नियोजन, पोषण, स्वच्छता आदि के बारे में जानकारी देना।
उदाहरण – World Health Organization के स्वास्थ्य अभियान।
3. शिक्षा
साक्षरता अभियान, डिजिटल शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा आदि।
उदाहरण – UNESCO की शिक्षा योजनाएँ।
4. महिला सशक्तिकरण
महिलाओं के अधिकार, रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी जागरूकता।
5. पर्यावरण संरक्षण
जल संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान आदि।
उदाहरण – Swachh Bharat Mission।
विकास संचार के माध्यम
(क) पारंपरिक माध्यम
• लोकगीत
• लोकनृत्य
• नुक्कड़ नाटक
• कठपुतली
• मेले
ये ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक प्रभावी होते हैं। (ख) प्रिंट मीडिया
• समाचार पत्र
• पत्रिकाएँ
• पोस्टर
• पंपलेट
• पुस्तिकाएँ
(ग) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
• रेडियो
• टेलीविजन
• फिल्में
भारत में All India Radio और Doordarshan ने विकास संदेशों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
(घ) न्यू मीडिया
• इंटरनेट
• सोशल मीडिया
• मोबाइल ऐप
• वेबसाइट

आज डिजिटल प्लेटफॉर्म विकास संचार का महत्वपूर्ण साधन बन चुके हैं।

विकास संचार के मॉडल

1. एकतरफा मॉडल **(Top-down Model)**

इस मॉडल में सरकार या संस्था संदेश भेजती है और जनता केवल उसे प्राप्त करती है। इसमें सहभागिता कम होती है।

2. सहभागी मॉडल **(Participatory Model)**

इसमें जनता विकास प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाती है। यह आधुनिक विकास संचार का सबसे प्रभावी मॉडल माना जाता है।

3. बहु**-**चरणीय मॉडल

इस मॉडल में विभिन्न माध्यमों और समूहों के माध्यम से संदेश प्रसारित किया जाता है।

भारत में विकास संचार

भारत में विकास संचार की शुरुआत स्वतंत्रता के बाद हुई। सरकार ने ग्रामीण विकास, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए कई कार्यक्रम चलाए।

- **SITE (Satellite Instructional Television Experiment) – 1975**
  इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और विकास संदेश पहुँचाना था।
- कृषि दर्शन
  Krishi Darshan भारत का प्रसिद्ध कृषि कार्यक्रम है।
- पल्स पोलियो अभियान
  Pulse Polio Programme ने जनसंचार माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया।

विकास संचार की चुनौतियाँ

- अशिक्षा
- गरीबी
- तकनीकी असमानता
- ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों की कमी
- भाषा संबंधी समस्याएँ
- गलत सूचनाओं का प्रसार
- जनसहभागिता की कमी

महत्व

विकास संचार समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम है। यह लोगों को जागरूक बनाता है, उनकी समस्याओं का समाधान बताता है और विकास योजनाओं से जोड़ता है। लोकतांत्रिक समाज में विकास संचार नागरिकों को सशक्त बनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है।

निष्कर्ष

विकास संचार आधुनिक समाज की आवश्यक प्रक्रिया है। यह केवल सूचना का आदान-प्रदान नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है। भारत जैसे विकासशील देश में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विकास योजनाओं को जनता तक पहुँचाकर समावेशी विकास सुनिश्चित करता है।

परीक्षा टिप **:**
उत्तर लिखते समय परिभाषा + विशेषताएँ + उद्देश्य + माध्यम + भारत में उदाहरण + निष्कर्ष का क्रम रखें, इससे उत्तर अधिक प्रभावी लगेगा।

संचार विकास **:** अर्थ**,** परिभाषा एवं प्रक्रिया

अर्थ **:**
संचार विकास (Development Communication) का अर्थ है — विकास संबंधी योजनाओं, नीतियों, सूचनाओं और विचारों को समाज के लोगों तक पहुँचाने की प्रक्रिया, जिससे सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक

परिवर्तन लाया जा सके। यह संचार का ऐसा रूप है जो लोगों को जागरूक बनाकर उन्हें विकास कार्यों में सहभागी बनाता है।
संचार विकास केवल सूचना प्रसारण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों के दृष्टिकोण, व्यवहार और जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम भी है।
परिभाषा:
प्रसिद्ध संचार विशेषज्ञ नोरा सी. क्विब्राल (Nora C. Quebral) के अनुसार—
“विकास संचार वह कला और विज्ञान है जिसके माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को विकास की दिशा में प्रेरित किया जाता है।”
एवरेट रोजर्स (Everett Rogers) के अनुसार—
विकास संचार सामाजिक परिवर्तन लाने वाली योजनाबद्ध संचार प्रक्रिया है।
प्रक्रिया:
विकास संचार की प्रक्रिया निम्न चरणों में पूरी होती है—
1. समस्या की पहचान – समाज की जरूरतों और समस्याओं को समझना।
2. लक्ष्य निर्धारण – विकास के उद्देश्य तय करना।
3. संदेश निर्माण – सरल और प्रभावी संदेश तैयार करना।
4. माध्यम चयन – रेडियो, टीवी, समाचार पत्र, सोशल मीडिया, लोक माध्यम आदि का चयन।
5. संदेश प्रसारण – लक्षित समूह तक जानकारी पहुँचाना।
6. प्रतिक्रिया प्राप्त करना – जनता की प्रतिक्रिया जानना।
7. मूल्यांकन – परिणामों का आकलन करना।
निष्कर्ष:- अतः विकास संचार समाज में जागरूकता, सहभागिता और सकारात्मक परिवर्तन लाने का महत्वपूर्ण माध्यम है, जो विकास प्रक्रिया को सफल बनाता है।

विकास संचार: मॉडल एवं सिद्धांत
विकास संचार में विभिन्न मॉडल और सिद्धांत यह बताते हैं कि संचार किस प्रकार विकास प्रक्रिया को प्रभावित करता है तथा समाज में परिवर्तन लाने में सहायक होता है।
विकास संचार के प्रमुख मॉडल
1. रैखिक मॉडल (Linear Model)
यह पारंपरिक मॉडल है जिसमें संदेश एक स्रोत से प्राप्तकर्ता तक एकतरफा रूप में भेजा जाता है। इसमें प्रतिक्रिया (Feedback) की भूमिका कम होती है।
उदाहरण: सरकार द्वारा रेडियो/टीवी पर जनहित संदेश प्रसारित करना।
विशेषता:
• एकतरफा संचार
• जनता निष्क्रिय श्रोता
• सूचना प्रसार पर अधिक जोर

2. द्वि-चरणीय प्रवाह मॉडल (Two-Step Flow Model)
यह मॉडल Paul Lazarsfeld और Elihu Katz द्वारा प्रस्तुत किया गया।
इसमें पहले संदेश मत-नेताओं (Opinion Leaders) तक पहुँचता है, फिर वे आम जनता को प्रभावित करते हैं।
उदाहरण: गांव के प्रधान द्वारा सरकारी योजनाओं की जानकारी देना।

3. नवाचार प्रसार मॉडल (Diffusion of Innovation Model) यह मॉडल Everett Rogers द्वारा दिया गया।
यह बताता है कि नई तकनीक या विचार समाज में कैसे फैलते हैं। चरण:
• जागरूकता
• रुचि
• मूल्यांकन
• परीक्षण
• अपनाना
उदाहरण: किसानों द्वारा नई कृषि तकनीक अपनाना।

4. सहभागी मॉडल (Participatory Model)
यह आधुनिक विकास संचार का सबसे प्रभावी मॉडल है। इसमें जनता स्वयं विकास प्रक्रिया में भाग लेती है।
विशेषताएँ:
• दो-तरफा संवाद
• जनसहभागिता
• स्थानीय समस्याओं पर ध्यान
उदाहरण: स्वयं सहायता समूह, ग्राम सभा।

5. कन्वर्जेंस मॉडल (Convergence Model)
यह मॉडल Everett Rogers और D. Lawrence Kincaid से जुड़ा है।
इसमें संवाद के माध्यम से आपसी समझ विकसित होती है।

विकास संचार के प्रमुख सिद्धांत
1. आधुनिकीकरण सिद्धांत
यह मानता है कि विकास पारंपरिक समाज को आधुनिक समाज में बदलने की प्रक्रिया है।
2. निर्भरता सिद्धांत
यह बताता है कि विकासशील देश विकसित देशों पर निर्भर रहते हैं।
3. सहभागिता सिद्धांत
जनता की भागीदारी को विकास का आधार मानता है।
4. लोकतांत्रिक सहभागिता सिद्धांत
यह स्थानीय मीडिया और समुदाय आधारित संचार पर बल देता है।
5. सतत विकास सिद्धांत
United Nations द्वारा समर्थित यह सिद्धांत वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करते हुए भविष्य की जरूरतों का भी ध्यान रखता है।

निष्कर्ष
विकास संचार के मॉडल और सिद्धांत यह स्पष्ट करते हैं कि केवल सूचना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनता की भागीदारी, संवाद और व्यवहार परिवर्तन ही वास्तविक विकास की कुंजी है।

विकास संचार एवं सामाजिक परिवर्तन
विकास संचार (Development Communication) और सामाजिक परिवर्तन एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। विकास संचार का मुख्य उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना, लोगों को जागरूक बनाना और उन्हें विकास की प्रक्रिया में सहभागी बनाना है। जब संचार के माध्यम से नई जानकारी, विचार और तकनीक समाज तक पहुँचती है, तो लोगों के दृष्टिकोण, व्यवहार और जीवनशैली में परिवर्तन आता है, जिसे सामाजिक परिवर्तन कहा जाता है।
विकास संचार का अर्थ
Nora C. Quebral के अनुसार विकास संचार वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से संचार साधनों द्वारा लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाता है।
सामाजिक परिवर्तन का अर्थ
सामाजिक परिवर्तन से तात्पर्य समाज की संरचना, मान्यताओं, व्यवहार, संस्थाओं और संबंधों में होने वाले परिवर्तन से है। यह परिवर्तन आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक या तकनीकी कारणों से हो सकता है।
विकास संचार की भूमिका सामाजिक परिवर्तन में
1. जागरूकता उत्पन्न करना – शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, महिला अधिकार आदि विषयों पर जानकारी देना।
2. व्यवहार परिवर्तन – लोगों को नई आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करना।
3. जनसहभागिता बढ़ाना – लोगों को विकास योजनाओं से जोड़ना।
4. सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन – दहेज, बाल विवाह, अशिक्षा जैसी समस्याओं के खिलाफ अभियान।
5. तकनीकी ज्ञान का प्रसार – नई कृषि तकनीक, डिजिटल सेवाओं की जानकारी।
प्रमुख उदाहरण
• Swachh Bharat Mission – स्वच्छता के प्रति जागरूकता।
• Pulse Polio Programme – स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव।
• Krishi Darshan – कृषि विकास।
• Beti Bachao Beti Padhao – महिला सशक्तिकरण।
चुनौतियाँ
• अशिक्षा
• गरीबी
• तकनीकी असमानता
• गलत सूचनाएँ
• ग्रामीण क्षेत्रों में संचार साधनों की कमी
निष्कर्ष
अतः विकास संचार सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम है। यह केवल सूचना देने का कार्य नहीं करता, बल्कि समाज को प्रगतिशील, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परम्परागत माध्यम एवं विकास

परम्परागत माध्यम वे संचार साधन हैं जो प्राचीन समय से समाज में सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के लिए उपयोग किए जाते रहे हैं। ये माध्यम स्थानीय संस्कृति, भाषा और लोक परंपराओं से जुड़े होते हैं। विकास संचार में इनका विशेष महत्व है क्योंकि ये ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में लोगों तक आसानी से पहुँचते हैं।
परम्परागत माध्यम का अर्थ
परम्परागत या लोक माध्यम ऐसे संचार माध्यम हैं जो लोक कला, लोकगीत, लोकनृत्य, नाटक, कठपुतली, कहानी, मेले आदि के रूप में संदेशों का प्रसार करते हैं।
प्रमुख परम्परागत माध्यम
1. लोकगीत – सामाजिक संदेशों को गीतों के माध्यम से प्रस्तुत करना।
2. लोकनृत्य – सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए जागरूकता फैलाना।
3. नुक्कड़ नाटक – सामाजिक समस्याओं पर आधारित नाटक।
4. कठपुतली शो – शिक्षा और मनोरंजन का प्रभावी माध्यम।
5. लोककथा एवं कहानी – नैतिक और विकास संदेश देना।
6. मेले और उत्सव – जनसमूह तक संदेश पहुँचाने का अवसर।
विकास में भूमिका
• ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाना।
• स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता संबंधी संदेश देना।
• कृषि तकनीकों की जानकारी पहुँचाना।
• महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुधार को बढ़ावा देना।
• सरकारी योजनाओं की जानकारी देना।
उदाहरण
Song and Drama Division ने लोक माध्यमों के जरिए कई विकास कार्यक्रम चलाए।
Pulse Polio Programme और Swachh Bharat Mission में भी लोक माध्यमों का उपयोग किया गया। लाभ
• कम खर्चीले
• स्थानीय भाषा में प्रभावी
• लोगों की सहभागिता अधिक
• विश्वसनीय और सरल
सीमाएँ
• सीमित क्षेत्र तक पहुँच
• आधुनिक तकनीक की कमी
• संदेश के स्थायित्व की समस्या
निष्कर्ष
अतः परम्परागत माध्यम विकास संचार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये समाज की जड़ों से जुड़े होने के कारण विकास संदेशों को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुँचाने में सहायक होते हैं।
विकास संचार: परिचय
विकास संचार (Development Communication) संचार का वह क्षेत्र है जिसका उद्देश्य समाज के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास को बढ़ावा देना है। यह केवल सूचना देने तक सीमित नहीं होता, बल्कि लोगों में जागरूकता पैदा कर उनके व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करता है।

Nora C. Quebral को विकास संचार की जनक माना जाता है। उन्होंने विकास संचार को ऐसी प्रक्रिया बताया जिसमें संचार के माध्यम से लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया जाता है।
Everett Rogers ने इसे सामाजिक परिवर्तन की योजनाबद्ध प्रक्रिया माना। विकास संचार का मुख्य उद्देश्य जनसहभागिता, जागरूकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि विकास, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुधार को बढ़ावा देना है।
इसके प्रमुख माध्यम हैं— रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्र, सोशल मीडिया तथा लोक माध्यम। भारत में Doordarshan का Krishi Darshan, Pulse Polio Programme तथा Swachh Bharat Mission विकास संचार के प्रमुख उदाहरण हैं।
अतः विकास संचार समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रभावी माध्यम है।

इकाई–5 : विकास एवं संचार का अन्तर्सम्बन्ध
विकास और संचार एक-दूसरे के पूरक हैं। विकास योजनाओं को सफल बनाने के लिए प्रभावी संचार आवश्यक है, जबकि संचार को सार्थक बनाने के लिए विकास का उद्देश्य होना चाहिए।
विकास और संचार के बीच संबंध
1. सूचना का प्रसार – विकास योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुँचाना।
2. जागरूकता निर्माण – शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण आदि के प्रति जागरूक करना।
3. जनसहभागिता – लोगों को विकास कार्यक्रमों में शामिल करना।
4. व्यवहार परिवर्तन – नई तकनीक और सकारात्मक आदतों को अपनाने हेतु प्रेरित करना।
5. फीडबैक व्यवस्था – जनता की समस्याओं और सुझावों को सरकार तक पहुँचाना।
उदाहरण
• Beti Bachao Beti Padhao – बालिका शिक्षा को बढ़ावा।
• Digital India – डिजिटल जागरूकता।
• Swachh Bharat Mission – स्वच्छता अभियान।
निष्कर्ष
अतः विकास और संचार का संबंध अत्यंत गहरा है। संचार के बिना विकास योजनाएँ सफल नहीं हो सकतीं और विकास के बिना संचार का उद्देश्य अधूरा रहता है। दोनों मिलकर सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
विकास संचार के क्षेत्र
विकास संचार का अर्थ है संचार माध्यमों के द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विकास संबंधी जानकारी पहुँचाना और लोगों को जागरूक बनाकर सकारात्मक परिवर्तन लाना। यह केवल सूचना प्रसारण नहीं बल्कि सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास की प्रक्रिया को मजबूत करने का माध्यम है।
विकास संचार के प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं—
1. कृषि क्षेत्र
किसानों को नई कृषि तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई, उर्वरक, कीटनाशक तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी देना।
उदाहरण – Krishi Darshan।
2. स्वास्थ्य क्षेत्र
टीकाकरण, परिवार नियोजन, पोषण, स्वच्छता, रोगों की रोकथाम आदि की जानकारी देना।
उदाहरण – Pulse Polio Programme।
3. शिक्षा क्षेत्र

साक्षरता अभियान, डिजिटल शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना।
उदाहरण – UNESCO।
4. महिला एवं बाल विकास
महिलाओं के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा संबंधी जानकारी देना।
उदाहरण – Beti Bachao Beti Padhao।
5. ग्रामीण विकास
ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, सड़क, बिजली, पानी और आवास योजनाओं की जानकारी देना।
6. पर्यावरण संरक्षण
जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना।
उदाहरण – Swachh Bharat Mission।
7. जनसंख्या नियंत्रण
परिवार नियोजन और जनसंख्या वृद्धि नियंत्रण संबंधी संदेश देना।
8. सामाजिक सुधार
दहेज प्रथा, बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव, नशा आदि सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता फैलाना।
9. डिजिटल एवं तकनीकी विकास
इंटरनेट, ई-गवर्नेंस और डिजिटल सेवाओं की जानकारी देना।
उदाहरण – Digital India।
निष्कर्ष
अतः विकास संचार के क्षेत्र व्यापक हैं। यह समाज के हर क्षेत्र में जागरूकता और भागीदारी बढ़ाकर समग्र विकास सुनिश्चित करता है।
विकास संचार की रणनीति
विकास संचार की रणनीति से आशय उन योजनाबद्ध तरीकों और उपायों से है जिनके माध्यम से विकास संबंधी संदेशों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुँचाया जाता है तथा उन्हें विकास प्रक्रिया में सहभागी बनाया जाता है। इसका उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि लोगों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना और विकास कार्यक्रमों को सफल बनाना है।
1. समस्या की पहचान
सबसे पहले समाज की समस्याओं और आवश्यकताओं को समझा जाता है, जैसे— अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याएँ, बेरोजगारी, कृषि संकट आदि।
2. लक्षित समूह का निर्धारण
यह तय किया जाता है कि संदेश किस वर्ग के लिए है— किसान, महिलाएँ, युवा, विद्यार्थी, ग्रामीण जनता आदि।
3. उद्देश्य निर्धारण
संचार अभियान का स्पष्ट उद्देश्य तय किया जाता है, जैसे टीकाकरण बढ़ाना, स्वच्छता जागरूकता फैलाना या कृषि तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित करना।
4. संदेश निर्माण
संदेश सरल, स्पष्ट, स्थानीय भाषा और संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए ताकि लोग आसानी से समझ सकें।
5. माध्यम चयन
उचित माध्यम का चयन किया जाता है—
• रेडियो
• टेलीविजन

• समाचार पत्र
• सोशल मीडिया
• लोक माध्यम (नुक्कड़ नाटक, कठपुतली, लोकगीत)
उदाहरण – Doordarshan का Krishi Darshan।
6. जनसहभागिता
विकास संचार की सफल रणनीति में लोगों की भागीदारी आवश्यक होती है। सहभागी संचार मॉडल अधिक प्रभावी माना जाता है।
7. फीडबैक और मूल्यांकन
संदेश के प्रभाव का आकलन किया जाता है और जनता की प्रतिक्रिया के आधार पर सुधार किया जाता है। प्रमुख रणनीतियाँ
• जागरूकता अभियान
• व्यवहार परिवर्तन संचार (BCC)
• सहभागी संचार
• सामुदायिक मीडिया का उपयोग
• डिजिटल मीडिया रणनीति
निष्कर्ष
अतः विकास संचार की रणनीति योजनाबद्ध, जन-केंद्रित और सहभागी होनी चाहिए, ताकि विकास कार्यक्रमों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँच सके।
विकास संचार में नई सूचना पद्धति
विकास संचार में नई सूचना पद्धति (New Information Technology/Method) से आशय आधुनिक तकनीकों और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से है, जिनके द्वारा विकास संबंधी सूचनाओं को तेज़, प्रभावी और व्यापक रूप से लोगों तक पहुँचाया जाता है। सूचना क्रांति के दौर में पारंपरिक माध्यमों के साथ नई तकनीकों ने विकास संचार को अधिक सशक्त बनाया है।
अर्थ
नई सूचना पद्धति वह प्रणाली है जिसमें इंटरनेट, मोबाइल, कंप्यूटर, सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सूचना तकनीक के माध्यम से विकास संबंधी संदेशों का प्रसार किया जाता है।
प्रमुख नई सूचना पद्धतियाँ
1. इंटरनेट
सरकारी योजनाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि संबंधी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराता है।
2. सोशल मीडिया
Meta Platforms के Facebook, WhatsApp, Instagram और X Corp. के X जैसे प्लेटफॉर्म तेजी
से सूचना पहुँचाते हैं।
3. मोबाइल फोन एवं एसएमएस सेवा
किसानों और ग्रामीण लोगों को मौसम, फसल और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाती है।
4. ई-गवर्नेंस
Digital India जैसी पहल नागरिकों को ऑनलाइन सेवाएँ उपलब्ध कराती है।
5. सामुदायिक रेडियो
स्थानीय स्तर पर विकास संदेश पहुँचाने का प्रभावी माध्यम।
6. ई-लर्निंग
ऑनलाइन शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देता है।
विकास में भूमिका

• सूचना का त्वरित प्रसार
• ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँच
• पारदर्शिता बढ़ाना
• जनसहभागिता बढ़ाना
• शिक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना
चुनौतियाँ
• डिजिटल विभाजन
• इंटरनेट की कमी
• तकनीकी ज्ञान का अभाव
• फेक न्यूज़
निष्कर्ष
अतः नई सूचना पद्धतियाँ विकास संचार को आधुनिक, प्रभावी और व्यापक बनाती हैं तथा समाज के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
विकास संचार के विविध क्षेत्र: विकास एवं कृषि जगत
विकास संचार का प्रमुख उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता और प्रगति लाना है। इनमें कृषि क्षेत्र सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है और बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है। विकास संचार किसानों तक नई तकनीक, योजनाएँ और वैज्ञानिक जानकारी पहुँचाकर कृषि विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
कृषि विकास में विकास संचार का अर्थ
कृषि क्षेत्र में संचार का उपयोग किसानों को खेती की नई विधियों, उन्नत बीज, सिंचाई तकनीक, उर्वरक, कीटनाशक, मौसम जानकारी तथा सरकारी योजनाओं की सूचना देने के लिए किया जाता है। इससे उत्पादन बढ़ता है और किसानों की आय में सुधार होता है।
प्रमुख माध्यम
1. रेडियो – किसानों के लिए कृषि कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।
2. टेलीविजन – Krishi Darshan जैसे कार्यक्रम किसानों को नई जानकारी देते हैं।
3. समाचार पत्र और पत्रिकाएँ – कृषि संबंधी लेख प्रकाशित होते हैं।
4. मोबाइल और इंटरनेट – मौसम, बाजार भाव और सरकारी योजनाओं की जानकारी।
5. लोक माध्यम – ग्रामीण क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक, लोकगीत आदि।
कृषि विकास में योगदान
• नई कृषि तकनीकों का प्रसार
• हरित क्रांति को बढ़ावा
• फसल सुरक्षा की जानकारी
• पशुपालन और डेयरी विकास
• सरकारी योजनाओं की जानकारी
• किसानों को बाजार से जोड़ना
उदाहरण
Indian Council of Agricultural Research किसानों के लिए नई तकनीक विकसित करता है।
Ministry of Agriculture and Farmers Welfare विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रसारित करता है। समस्याएँ

• अशिक्षा
• तकनीकी जानकारी की कमी
• ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की समस्या
• छोटे किसानों तक सीमित पहुँच
निष्कर्ष
अतः विकास संचार कृषि जगत में किसानों को सशक्त बनाकर उत्पादन, आय और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देता है। यह कृषि क्षेत्र के विकास का महत्वपूर्ण आधार है।
विकास संचार एवं ग्रामीण विकास
विकास संचार (Development Communication) ग्रामीण विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। भारत की अधिकांश जनसंख्या गाँवों में निवास करती है, इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए प्रभावी संचार आवश्यक है। विकास संचार के माध्यम से ग्रामीण जनता को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, स्वच्छता और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाती है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होता है। अर्थ
ग्रामीण विकास का अर्थ है गाँवों में आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना। विकास संचार इस प्रक्रिया में सूचना और जागरूकता का कार्य करता है।
ग्रामीण विकास में भूमिका
1. कृषि सुधार – किसानों को नई तकनीक, उन्नत बीज और सिंचाई संबंधी जानकारी देना।
2. शिक्षा प्रसार – साक्षरता अभियान और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना।
3. स्वास्थ्य जागरूकता – टीकाकरण, स्वच्छता और परिवार नियोजन की जानकारी।
4. सरकारी योजनाओं की जानकारी – ग्रामीण रोजगार और आवास योजनाओं का प्रचार।
5. महिला सशक्तिकरण – महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जोड़ना।
प्रमुख माध्यम
• रेडियो
• टेलीविजन
• समाचार पत्र
• सामुदायिक रेडियो
• मोबाइल फोन
• लोक माध्यम
Krishi Darshan और Swachh Bharat Mission इसके प्रमुख उदाहरण हैं। चुनौतियाँ
• अशिक्षा
• गरीबी
• तकनीकी संसाधनों की कमी
• इंटरनेट की सीमित पहुँच
निष्कर्ष
अतः विकास संचार ग्रामीण विकास का आधार है। यह ग्रामीण लोगों को जानकारी, जागरूकता और अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
विकास संचार एवं स्वास्थ्य

विकास संचार का स्वास्थ्य क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, जागरूकता और सेवाओं को जनसामान्य तक पहुँचाने के लिए संचार माध्यमों का उपयोग किया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, बीमारियों से बचाव करने तथा सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी देना है।
अर्थ
स्वास्थ्य संचार का अर्थ है— स्वास्थ्य संबंधी संदेशों को प्रभावी रूप से लोगों तक पहुँचाना ताकि उनके व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन हो और समाज का स्वास्थ्य स्तर बेहतर हो सके।
स्वास्थ्य क्षेत्र में विकास संचार की भूमिका
1. रोगों की रोकथाम – टीकाकरण, स्वच्छता और पोषण की जानकारी देना।
2. परिवार नियोजन – जनसंख्या नियंत्रण के लिए जागरूकता फैलाना।
3. स्वच्छता अभियान – साफ-सफाई और शुद्ध पानी के उपयोग को बढ़ावा देना।
4. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य – गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी।
5. महामारी जागरूकता – संक्रामक रोगों से बचाव के उपाय बताना।
प्रमुख माध्यम
• रेडियो
• टेलीविजन
• समाचार पत्र
• सोशल मीडिया
• मोबाइल संदेश
• लोक माध्यम
उदाहरण
Pulse Polio Programme – बच्चों को पोलियो से बचाने हेतु सफल अभियान। World Health Organization – वैश्विक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम। Ayushman Bharat Yojana – स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी। चुनौतियाँ
• अशिक्षा
• अफवाहें
• ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी
• डिजिटल असमानता
निष्कर्ष
अतः विकास संचार स्वास्थ्य क्षेत्र में जागरूकता, व्यवहार परिवर्तन और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित कर समाज के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
विकास एवं पर्यावरण
विकास और पर्यावरण का संबंध अत्यंत गहरा है। विकास का उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना है, जबकि पर्यावरण जीवन के अस्तित्व का आधार है। यदि विकास की प्रक्रिया में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया जाए, तो पर्यावरण असंतुलन उत्पन्न होता है। इसलिए आज सतत विकास (Sustainable Development) की अवधारणा पर विशेष जोर दिया जाता है।
विकास का अर्थ
विकास का अर्थ आर्थिक, सामाजिक, औद्योगिक और तकनीकी प्रगति से है, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो।
पर्यावरण का अर्थ

पर्यावरण में जल, वायु, भूमि, वन, जीव-जंतु और प्राकृतिक संसाधन शामिल हैं, जो मानव जीवन को प्रभावित करते हैं।
विकास और पर्यावरण का संबंध
1. औद्योगीकरण से रोजगार और आर्थिक वृद्धि होती है।
2. लेकिन कारखानों से प्रदूषण भी बढ़ता है।
3. शहरीकरण से सुविधाएँ बढ़ती हैं, परंतु हरित क्षेत्र घटते हैं।
4. प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपयोग से पर्यावरण संकट उत्पन्न होता है। पर्यावरण संरक्षण में विकास संचार की भूमिका
• जल संरक्षण के प्रति जागरूकता
• वृक्षारोपण अभियान
• प्रदूषण नियंत्रण संदेश
• स्वच्छता अभियान
• जलवायु परिवर्तन संबंधी जानकारी
उदाहरण – Swachh Bharat Mission और United Nations Environment Programme। चुनौतियाँ
• जनसंख्या वृद्धि
• वनों की कटाई
• प्रदूषण
• जल संकट
• जलवायु परिवर्तन
निष्कर्ष
अतः विकास और पर्यावरण में संतुलन आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण के बिना विकास अधूरा है, इसलिए सतत विकास ही भविष्य का मार्ग है।
विकास संचार के मुद्दे: सहभागी संचार की अवधारणा
विकास संचार के कई महत्वपूर्ण मुद्दों में सहभागी संचार (Participatory Communication) एक प्रमुख अवधारणा है। पारंपरिक विकास संचार मॉडल में संदेश ऊपर से नीचे (Top-down) भेजे जाते थे, जिसमें जनता केवल सूचना प्राप्त करने वाली होती थी। लेकिन समय के साथ यह महसूस किया गया कि वास्तविक विकास तभी संभव है जब लोग स्वयं विकास प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करें। इसी विचार से सहभागी संचार की अवधारणा विकसित हुई।
सहभागी संचार का अर्थ
सहभागी संचार वह प्रक्रिया है जिसमें समुदाय के लोग अपनी समस्याओं, आवश्यकताओं और समाधानों पर स्वयं चर्चा करते हैं तथा विकास योजनाओं में भाग लेते हैं। इसमें संवाद, सहयोग और सामूहिक निर्णय पर बल दिया जाता है।
Paulo Freire ने संवाद आधारित संचार को सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम माना।
Nora C. Quebral ने भी विकास में जनभागीदारी को महत्वपूर्ण बताया।
प्रमुख विशेषताएँ
1. दो-तरफा संचार
2. जनता की सक्रिय भागीदारी
3. स्थानीय समस्याओं पर ध्यान
4. सामूहिक निर्णय प्रक्रिया

5. आत्मनिर्भरता को बढ़ावा
उद्देश्य
• लोगों को सशक्त बनाना
• विकास योजनाओं को सफल बनाना
• स्थानीय जरूरतों को समझना
• सामाजिक समानता स्थापित करना
उदाहरण
• ग्राम सभा
• स्वयं सहायता समूह (SHGs)
• सामुदायिक रेडियो
• Swachh Bharat Mission में जनभागीदारी
चुनौतियाँ
• अशिक्षा
• जागरूकता की कमी
• संसाधनों की कमी
• प्रशासनिक बाधाएँ
निष्कर्ष
अतः सहभागी संचार विकास संचार की आधुनिक और प्रभावी अवधारणा है, जो लोगों को केवल श्रोता नहीं बल्कि विकास प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाती है।
विकास संचार में स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका
स्वयंसेवी संगठन या गैर-सरकारी संगठन (NGOs) विकास संचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये संगठन सरकार और जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं तथा समाज के कमजोर और वंचित वर्गों तक विकास संबंधी जानकारी पहुँचाते हैं। इनका उद्देश्य सामाजिक जागरूकता बढ़ाना, जनसहभागिता सुनिश्चित करना और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना होता है।
अर्थ
स्वयंसेवी संगठन ऐसे गैर-लाभकारी संगठन होते हैं जो शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास आदि क्षेत्रों में कार्य करते हैं।
विकास संचार में भूमिका
1. जागरूकता फैलाना
स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, महिला अधिकार, पर्यावरण आदि विषयों पर लोगों को जागरूक करते हैं।
2. सूचना का प्रसार
सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों तक पहुँचाते हैं।
3. जनसहभागिता बढ़ाना
लोगों को विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हैं।
4. प्रशिक्षण और कौशल विकास
रोजगार, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाते हैं।
5. सामुदायिक मीडिया का उपयोग
लोक माध्यम, सामुदायिक रेडियो और सोशल मीडिया के जरिए संदेश पहुँचाते हैं।
प्रमुख उदाहरण

Pratham – शिक्षा क्षेत्र में कार्य।
SEWA – महिला सशक्तिकरण।
CRY – बाल अधिकार।
UNICEF – स्वास्थ्य एवं बाल विकास।
चुनौतियाँ
• वित्तीय संसाधनों की कमी
• ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित पहुँच
• सरकारी सहयोग की कमी
निष्कर्ष
अतः स्वयंसेवी संगठन विकास संचार को प्रभावी बनाते हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।
विकास संचार एवं लेखन
विकास संचार में लेखन का महत्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि लेखन के माध्यम से विकास संबंधी सूचनाएँ, योजनाएँ, संदेश और जागरूकता सामग्री जनसामान्य तक प्रभावी रूप से पहुँचाई जाती हैं। विकास लेखन का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि लोगों को प्रेरित करना, जागरूक बनाना और सामाजिक परिवर्तन लाना भी है।
अर्थ
विकास लेखन से आशय ऐसे लेखन से है जिसमें समाज के विकास से जुड़े विषय— जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास आदि— पर सरल, स्पष्ट और जनहितकारी सामग्री तैयार की जाती है।
विकास संचार में लेखन की भूमिका
1. सूचना प्रसार
सरकारी योजनाओं, नीतियों और विकास कार्यक्रमों की जानकारी लोगों तक पहुँचाना।
2. जागरूकता निर्माण
स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण और शिक्षा संबंधी लेखों द्वारा जागरूकता फैलाना।
3. व्यवहार परिवर्तन
लेखन के माध्यम से लोगों को सकारात्मक आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करना।
4. शिक्षा और प्रशिक्षण
पुस्तिकाएँ, रिपोर्ट, लेख और प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना।
5. जनसंपर्क
सरकार, संस्थाओं और जनता के बीच संवाद स्थापित करना।
विकास लेखन के प्रमुख रूप
• समाचार लेख
• फीचर लेख
• रिपोर्ट
• पोस्टर सामग्री
• विज्ञापन लेखन
• रेडियो/टीवी स्क्रिप्ट
• सोशल मीडिया कंटेंट
विशेषताएँ
• सरल भाषा
• तथ्यपरक जानकारी

• जनहितकारी दृष्टिकोण
• स्थानीय समस्याओं पर ध्यान
• समाधान आधारित लेखन
उदाहरण
Press Information Bureau द्वारा सरकारी योजनाओं की जानकारी।
Swachh Bharat Mission के प्रचार लेख।
निष्कर्ष
अतः विकास संचार में लेखन एक प्रभावी उपकरण है, जो समाज में जागरूकता, सहभागिता और सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
विकास संचार तथा राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक मुद्दे
विकास संचार का संबंध समाज के विभिन्न आयामों— राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मुद्दों — से गहराई से जुड़ा होता है। विकास केवल आर्थिक प्रगति नहीं है, बल्कि समाज के समग्र परिवर्तन की प्रक्रिया है। संचार इन सभी क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने, जनभागीदारी बढ़ाने और समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
1. राजनीतिक मुद्दे
विकास संचार नागरिकों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों, लोकतंत्र, चुनाव और सरकारी नीतियों के बारे में जानकारी देता है। इससे राजनीतिक जागरूकता बढ़ती है।
उदाहरण: Election Commission of India द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान।
2. आर्थिक मुद्दे
गरीबी, बेरोजगारी, कृषि संकट, औद्योगिक विकास, स्वरोजगार और सरकारी आर्थिक योजनाओं की जानकारी देना विकास संचार का महत्वपूर्ण कार्य है।
उदाहरण: Pradhan Mantri Mudra Yojana।
3. सांस्कृतिक मुद्दे
सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, लोक कला का प्रचार, भाषा और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना।
उदाहरण: UNESCO सांस्कृतिक संरक्षण में कार्य करता है।
4. सामाजिक मुद्दे
शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, बाल अधिकार, स्वच्छता, जातीय भेदभाव, दहेज प्रथा आदि विषय विकास संचार के प्रमुख सामाजिक मुद्दे हैं।
उदाहरण: Beti Bachao Beti Padhao, Swachh Bharat Mission।
विकास संचार की भूमिका
• सूचना प्रसार
• जनजागरूकता
• सामाजिक परिवर्तन
• नीति समर्थन
• जनसहभागिता
निष्कर्ष
अतः विकास संचार राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मुद्दों को समझने और समाधान खोजने का प्रभावी माध्यम है। यह समग्र विकास और लोकतांत्रिक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता है।